भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2081

12 दिसम्बर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य मिशन में भागीदारी

2081. डॉ. शिवाजी बंडाप्पा कालगे:
श्री संदिपनराव आसाराम भुमरे:
श्री जानेश्वर पाटील:
श्रीमती कलाबेन मोहनभाई देलकर:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य मिशन और संबंधित पहलों में सक्रिय रूप से भाग ले रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा देश में एक स्वास्थ्य मिशन की अवसंरचना के अंतर्गत शुरू किए गए विशिष्ट योगदानों या कार्यक्रमों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार, विशेषकर महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और दादरा एवं नगर हवेली में ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने एक स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत की गई पहलों के कार्यान्वयन में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) और राज्य स्वास्थ्य विभागों जैसे अन्य हितधारकों के साथ सहयोग किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा मानव-पशु-पारिस्थितिकीय संगम पर स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान हेतु उठाए गए अन्य कदमों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): जी हां, भारत सरकार राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य मिशन (एनओएचएम) में सक्रिय रूप से भाग ले रही है। इस मिशन की स्थापना फरवरी 2024 में मंत्रिमंडल की मंजूरी के साथ 21वीं प्रधान मंत्री विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद (पीएम-एसटीआईएसी) की सिफारिश पर की गई थी। मिशन को भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय द्वारा संचालित किया जा रहा है और इसमें आयुष मंत्रालय सहित 16 से अधिक केंद्रीय मंत्रालय/विभाग शामिल हैं। स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर)/भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में कार्य करते हैं। और अधिक विवरण https://www.psa.gov.in/oneHealthMission पर प्राप्त किए जा सकते हैं।

(ख): ओपीएसए और आईसीएमआर के इनपुट के अनुसार, पहली राज्य/संघ राज्य क्षेत्र भागीदारी कार्यशाला दिनांक 9 जून 2025 को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी, जिसमें महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की भागीदारी सहित 27 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की भागीदारी देखी गई थी। इसके अतिरिक्त,

महाराष्ट्र उन राज्यों में भी शामिल है जहां प्रारंभिक निगरानी और एकीकृत एक स्वास्थ्य पायलट गतिविधियां चलाई जा रही हैं। राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य मिशन के तहत, महाराष्ट्र के विभिन्न संस्थानों और स्थलों में कई अध्ययनों को वित्त पोषित किया गया है, जो राज्य में अनुसंधान, निगरानी और क्षमता निर्माण संबंधी प्रयासों का समर्थन करते हैं। कुछ प्रमुख पहलें निम्नलिखित हैं:

1. एक स्वास्थ्य कार्यान्वयन के लिए संस्थागत संरचनाओं और शासन का निर्माण: देश भर में निगरानी, अनुसंधान और प्रकोप प्रतिक्रिया के समन्वय के लिए समर्पित राष्ट्रीय स्तर के संस्थान (राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य संस्थान, नागपुर) की स्थापना।
2. उच्च-संरोधन प्रयोगशाला नेटवर्क (बीएसएल-3/बीएसएल-4 प्रयोगशालाओं) की स्थापना: महाराष्ट्र में स्थित संस्थान, राष्ट्रीय बीएसएल-3 और बीएसएल-4 प्रयोगशाला नेटवर्क का हिस्सा हैं, जो उच्च-संरोधन निदान और उन्नत रोगाणुओं का पता लगाने में योगदान देता है।
3. अभयारण्यों और आर्द्रभूमि में पक्षी-मानव इंटरफेस निगरानी: उच्च जोखिम वाले एवियन रोगाणुओं का शीघ्र पता लगाने में सक्षम बनाने के लिए महाराष्ट्र सहित राज्यों में चयनित पक्षी अभयारण्यों और आर्द्रभूमि में एक प्रमुख अध्ययन (2025) कार्यान्वित किया गया है।

राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य मिशन के तहत किए गए कार्यक्रमों और गतिविधियों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण भारत सरकार के ओपीएसए द्वारा व्यवस्थित एक स्वास्थ्य मिशन डैशबोर्ड पर उपलब्ध है। इन्हें पीएसए की आधिकारिक वेबसाइट https://www.psa.gov.in/oneHealthDashboard पर देखा जा सकता है।

(ग): जी हां, सरकार ने राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य मिशन के तहत पहलों को कार्यान्वित करने के लिए, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), राज्य स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन और डेयरी विभाग और अन्य प्रासंगिक संस्थानों सहित प्रमुख हितधारकों के साथ सहयोग स्थापित किया है। और अधिक विवरण https://www.psa.gov.in/oneHealthMission पर उपलब्ध है।

(घ): ओपीएसए से प्राप्त सूचना के अनुसार, राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य मिशन के तहत गतिविधियों के अलावा, सरकार ने देश में मानव-पशु-पारिस्थितिकी इंटरफ़ेस में स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करने के लिए कई कदम उठाए हैं। जैसा कि मिशन के तहत अनुमोदित है, राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य मिशन के लिए एंकर संस्थान, राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य संस्थान (एनआईओएच) की स्थापना नागपुर, महाराष्ट्र में की जा रही है। एनओएचएम के तहत, आईसीएमआर/डीएचआर द्वारा अन्य भाग लेने वाले मंत्रालयों/विभागों के सहयोग से कई निगरानी पायलट आरंभ किए गए हैं, जो निम्नलिखित है:

1. पशु-मानव इंटरफेस पर मॉडल निगरानी परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं।
2. रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) पर निगरानी के लिए अपशिष्ट जल निगरानी का उपयोग किया जाता है।
3. संक्रामक रोगों की निगरानी के लिए सिंड्रोमिक निगरानी की जा रही है।
4. बूचड़खानों में निगरानी
5. पक्षी अभयारण्यों में निगरानी

कार्यक्रम के तहत शुरू की गई अन्य गतिविधियां:

1. 23 जैव सुरक्षा स्तर (बीएसएल) -3 प्रयोगशालाओं का एक नेटवर्क स्थापित किया गया है।
2. रोग प्रकोप की जांच के लिए मानव स्वास्थ्य, पशुपालन और वन्यजीव क्षेत्रों के विशेषज्ञों से बनी राष्ट्रीय संयुक्त प्रकोप प्रतिक्रिया टीम (एनजेओआरटी) का सृजन।

3. महामारी संबंधी तैयारी के प्रयासों में, दिनांक 27 अगस्त से 31 अगस्त, 2024 तक राजस्थान राज्य के अजमेर जिले में एक व्यापक राष्ट्रीय मॉक ड्रिल, विषाणु युद्ध अभियान (वीवाईए) भी आयोजित किया गया था। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में 2-5 नवंबर, 2025 तक "विषाणु संक्रमण प्रतिरोध अभ्यास" नामक एक और मॉक ड्रिल बड़े पैमाने पर आयोजित की गई थी। इस अभ्यास का उद्देश्य विषाणु-जनित रोग के प्रकोपों के प्रबंधन में भारत की महामारी-पूर्व तैयारियों और अंतर-क्षेत्रीय समन्वय का आकलन करना था।

4. जून 2025 में पहली राज्य/संघ राज्य क्षेत्र भागीदारी कार्यशाला आयोजित की गई।

5. नवंबर 2025 में राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य असेंबली-2025 का नई दिल्ली में आयोजन किया गया।

आयुष क्षेत्र से संबंधित निम्नलिखित पहलें एक स्वास्थ्य प्राथमिकताओं में योगदान दे रही हैं:

1. आयुष मंत्रालय जहां उपयुक्त हो, तर्कसंगत, गैर-एंटीबायोटिक उपचार विकल्पों को बढ़ावा देता है, अप्रत्यक्ष रूप से एएमआर कटौती- एक प्रमुख एक स्वास्थ्य प्राथमिकता का समर्थन करता है। आयुष अनुसंधान परिषदों ने एएमआर, प्रतिरक्षण और वेक्टर जनित रोगों से संबंधित अनुसंधान अध्ययन किए हैं।
2. इसके अलावा, आयुष वर्टिकल, डीजीएचएस ने राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में प्रसार के लिए एनसीडीसी के सहयोग से मंकीपॉक्स और हीट वेव पर जन-स्वास्थ्य परामर्श जारी किया है।

मानव-पशु-पारिस्थितिक इंटरफ़ेस पर स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण https://www.psa.gov.in/oneHealthDashboard पर उपलब्ध है।

*****